11 वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग संगम कार्यक्रम

आध्यात्मिक उन्नति से ही संभव है विश्व का कल्याण: स्वामी विवेक भारती

● प्रतिनिधि टुडे/संवाददाता

नई दिल्ली। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली एवं दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली सरकार के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार दिनांक 21 जून 2025 को स्वर्ण जयंती सभागार में प्रातः 6:30 से 9:00 तक 'योग संगम' कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुरली मनोहर पाठक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम माननीय प्रधानमंत्री जी के व्याख्यान का प्रसारण दूरदर्शन माध्यम से श्रवण किया गया तत्पश्चात प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके बाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आए हुए श्री शैलजानंद मिश्रा जी ने इस वर्ष की योग थीम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी के संरक्षण से ही मानव का संरक्षण हो सकता है और इसको योग के माध्यम से ही विश्व में संप्रसारित किया जा सकता है। मुख्य अतिथि के रूप में आए हुए स्वामी विवेक भारती ने आध्यात्मिक शक्ति का उन्नयन योग के माध्यम से करके विश्व का कल्याण किया जा सकता है। अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर पाठक ने आज समाज में योग को प्रचारित एवं प्रसारित करने पर बल दिया। इस कार्यक्रम में अध्यापकों ,अधिकारियों, कर्मचारियों एवं योग जिज्ञासुओं ने प्रतिभाग ग्रहण कर योगोत्सव का आनंद लिया। इस अवसर पर समन्वयक प्रो मार्कण्डेय नाथ तिवारी तथा सह समन्वयक डॉ रमेश कुमार एवं अन्य विभागीय एवं विश्वविद्यालय आचार्यगण उपस्थित रहे । सभी के लिए स्वास्थ्य संरक्षण की कामना से शांति पाठ के साथ यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

आध्यात्मिक उन्नति से ही संभव है विश्व का कल्याणः स्वामी विवेक भारती

सर्वप्रिय भारत/संवाददाता

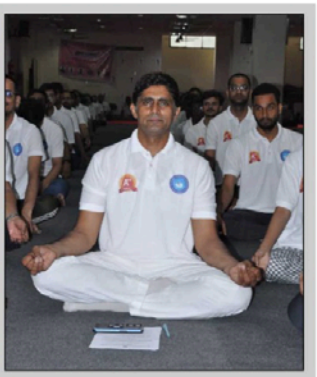

नई दिल्ली। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली एवं दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली सरकार के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार दिनांक 21 जून 2025 को स्वर्ण जयंती सभागार में प्रातः 6:30 से 9:00 तक 'योग संगम' कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुरली मनोहर पाठक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम माननीय प्रधानमंत्री जी के व्याख्यान का प्रसारण दूरदर्शन माध्यम से श्रवण किया गया तत्पश्चात प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके बाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आए हुए श्री शैलजानंद मिश्रा जी ने इस वर्ष की योग थीम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी के संरक्षण से ही मानव का संरक्षण हो सकता है और इसको योग के माध्यम से ही विश्व में संप्रसारित किया जा सकता है। मुख्य अतिथि के रूप में आए हुए स्वामी विवेक भारती ने आध्यात्मिक शक्ति का उन्नयन योग के माध्यम से करके विश्व का कल्याण किया जा सकता है। अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर पाठक ने आज समाज में योग को प्रचारित एवं प्रसारित करने पर बल दिया। इस कार्यक्रम में अध्यापकों ,अधिकारियों, कर्मचारियों एवं योग जिज्ञासुओं ने प्रतिभाग ग्रहण कर योगोत्सव का आनंद लिया। इस अवसर पर समन्वयक प्रो मार्कण्डेय नाथ तिवारी तथा सह समन्वयक डॉ रमेश कुमार एवं अन्य विभागीय एवं विश्वविद्यालय आचार्यगण उपस्थित रहे । सभी के लिए स्वास्थ्य संरक्षण की कामना से शांति पाठ के साथ यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

आध्यात्मिक उन्नति से ही संभव है विश्व का कल्याण: स्वामी विवेक भारती

तहलका जज्बा/ब्यूरो

नई दिल्ली। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली एवं दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली सरकार के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार दिनांक 21 जून 2025 को स्वर्ण जयंती सभागार में प्रातः 6:30 से 9:00 तक 'योग संगम' कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुरली मनोहर पाठक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम माननीय प्रधानमंत्री जी के व्याख्यान का प्रसारण दूरदर्शन माध्यम से श्रवण किया गया तत्पश्चात प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके बाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आए हुए श्री शैलजानंद मिश्रा जी ने इस वर्ष की योग थीम पर प्रकाश

डालते हुए कहा कि पृथ्वी के संरक्षण से ही मानव का संरक्षण हो सकता है और इसको योग के माध्यम से ही विश्व में संप्रसारित किया जा सकता है। मुख्य अतिथि के रूप में आए हुए स्वामी विवेक भारती ने आध्यात्मिक शक्ति का उन्नयन योग के माध्यम से करके विश्व का कल्याण किया जा सकता है। अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर पाठक ने आज समाज में योग को प्रचारित एवं प्रसारित करने पर बल दिया। इस कार्यक्रम में अध्यापकों ,अधिकारियों, कर्मचारियों एवं योग जिज्ञासुओं ने प्रतिभाग ग्रहण कर योगोत्सव का आनंद लिया। इस अवसर पर समन्वयक प्रो मार्कण्डेय नाथ तिवारी तथा सह समन्वयक डॉ रमेश कुमार एवं अन्य विभागीय एवं विश्वविद्यालय आचार्यगण उपस्थित रहे । सभी के लिए स्वास्थ्य संरक्षण की कामना से शांति पाठ के साथ यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

आध्यात्मिक उन्नति से ही संभव है विश्व का कल्याण: स्वामी विवेक भारती

• ग्लोबल हरियाणा
#Harjinder_Sharma

नई दिल्ली। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली एवं दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली सरकार के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार दिनांक 21 जून 2025 को स्वर्ण जयंती सभागार में प्रातः 6:30 से 9:00 तक 'योग संगम' कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुरली मनोहर पाठक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम माननीय प्रधानमंत्री जी के व्याख्यान का प्रसारण दूरदर्शन माध्यम से श्रवण किया गया तत्पश्चात प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके बाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आए हुए श्री शैलजानंद मिश्रा जी ने इस वर्ष की योग थीम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी के संरक्षण से ही मानव का संरक्षण हो सकता है और इसको योग के माध्यम से ही विश्व में संप्रसारित किया जा सकता है। मुख्य अतिथि के रूप में आए हुए स्वामी विवेक भारती ने आध्यात्मिक शक्ति का उन्नयन योग के माध्यम से करके विश्व का कल्याण किया जा सकता है। अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर पाठक ने आज समाज में योग को प्रचारित एवं प्रसारित करने पर बल दिया। इस कार्यक्रम में अध्यापकों ,अधिकारियों, कर्मचारियों एवं योग जिज्ञासुओं ने प्रतिभाग ग्रहण कर योगोत्सव का आनंद लिया। इस अवसर पर समन्वयक प्रो मार्कण्डेय नाथ तिवारी तथा सह समन्वयक डॉ रमेश कुमार एवं अन्य विभागीय एवं विश्वविद्यालय आचार्यगण उपस्थित रहे । सभी के लिए स्वास्थ्य संरक्षण की कामना से शांति पाठ के साथ यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।